खबर संक्षेप

11वीं मध्य प्रदेश स्टेट सीनियर सेपकटकरा चैंपियनशिप का शुभारंभ

शहडोल। पं. शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 11वीं मध्य प्रदेश स्टेट सीनियर सेपकटकरा चैंपियनशिप का शुभारंभ किया गया। यह प्रतियोगिता 29 से 31 मार्च 2026 तक आयोजित की जा रही है।

जिला सचिव रामकिशोर चैरसिया ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रदेश के 24-25 जिलों से लगभग 200 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन मध्य प्रदेश सेपकटकरा एसोसिएशन के सचिव श्री प्रतीक केसरवानी, सह सचिव श्री आशीष मिश्रा तथा जिला शहडोल खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कमलकान्त साहू की उपस्थिति में संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सेपकटकरा जैसे खेल युवाओं को अनुशासन, समर्पण और आत्मविश्वास की भावना से जोड़ते हैं तथा उन्हें अपने भविष्य को नई दिशा देने के लिए प्रेरित करते हैं। साथ ही, ऐसे आयोजन राज्य एवं देश का नाम रोशन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में खिलाड़ी, खेल प्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भाविप विवेकानंद शाखा के मनीष अध्यक्ष, नीति सचिव, अशोक कोषाध्यक्ष निर्वाचित

शहडोल। भारत विकास परिषद स्वामी विवेकानंद शाखा का आगामी सत्र 2026-27 के लिए निर्वाचन आज दिनांक 29 मार्च 2026 को संपन्न हुआ जिसमें प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र तिवारी की उपस्थिति रही। बैठक में श्री मनीष चंद्र गुप्ता -अध्यक्ष, श्रीमती नीति सिंघल - सचिव तथा अशोक मोर - कोषाध्यक्ष के दायित्व पर निर्वाचित हुए। बैठक में स्वागत भाषण रविन्द्र गुप्ता ने दिया। आभार ज्ञापन सचिव विजय दुबे ने किया। बैठक में सभी उपाध्यक्षों प्रकाश गुप्ता, नीति सिंघल,मनीष, अशोक मोर एवं श्रीजा गुप्ता ने अपने अपने प्रकल्पों का विगत वर्ष का कार्य वृत्त रखा। इसके बाद प्रांताध्यक्ष ने निर्वाचन की प्रक्रिया पूर्ण किया। उपरोक्त निर्वाचन सर्वसम्मति से किया गया। नए पदाधिकारियों से शाखा की पूर्ण कार्यकारिणी शीघ्र घोषित करने का आग्रह किया गया है। आयोजन में परिषद सदस्य सचिन गुप्ता को नगर पालिका परिषद में एल्डरमैन नियुक्त होने पर सम्मान किया गया। बैठक में अशोक सराफ, दीपक गौतम, वीरेंद्र सिंह, प्रमोद सोनी, अखिलेश शर्मा विजय जैन, गौरव मिश्रा, जितेंद्र मिश्रा, रविकांत द्विवेदी, रवि नेमा, सुशील सिंघल, ममता नेमा, पूजा सोनी, डॉ. ओ.पी.चौधरी, राकेश खरे, अजय शर्मा, अनिल तिवारी (अनूपपुर) आदि उपस्थित रहे। बैठक का संचालन एस.एस.जौहरी ने किया।

जन अभियान परिषद की समीक्षा में नवांकुरों को मिला सरकारी मंत्र

शहडोल। कृषि विज्ञान केंद्र कल्याणपुर में आयोजित जन अभियान परिषद की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक महज एक सरकारी रस्म बनकर रह गई या सच में कुछ बदलेगा? संवाद योजना के नाम पर जुटे संभाग से लेकर ब्लॉक स्तर के अफसरों ने नवांकुर संस्थाओं को प्रशिक्षण की घुट्टी तो पिलाई, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या ये नवांकुर सरकारी फाइलों से बाहर निकलकर तपती धरती पर जल गंगा बहा पाएंगे। संभागीय समन्वयक भीम सिंह डामोर ने बैठक में जल संवर्धन से लेकर ग्रामोदय से अभ्युदय तक का लंबा-चौड़ा रिपोर्ट कार्ड बांचा। उन्होंने टीम भावना का उपदेश देते हुए योजनाओं को जमीन पर उतारने की बात कही। वहीं, जिला समन्वयक विवेक पाण्डेय ने जिले में हुए कार्यों का गुणगान किया, जिसे उपस्थित लोगों ने सरकारी शिष्टाचार के नाते सराहा भी।

पहले केमिकल वाला ज़हर, अब प्लास्टिक का जाल

गौवंश के लिए कत्लगाह बना एसईसीएल का इलाका

शहडोल । जिले के सोहागपुर एरिया में कोयला निकालने वाली कंपनी एसईसीएल अब बेजुबानों के लिए यमराज साबित हो रही है। मानवता को शर्मसार करने वाली तस्वीरें धनपुरी नगरपालिका क्षेत्र के बंद पड़ी बैगा माइंस से सामने आ रही हैं। यहां कुप्रबंधन और घोर प्रशासनिक लापरवाही के चलते गौवंश तड़प-तड़प कर मरने को मजबूर है। अभी अमलाई ओपन कास्ट माइंस में केमिकल युक्त जहरीले पानी से हुई आधा दर्जन से अधिक गायों की मौत का मातम ठंडा भी नहीं पड़ा था कि अब प्लास्टिक का जानलेवा ढेर गौवंश के लिए नया डेथ वारंट बन गया है।

कचरे के ढेर में मौत ढूंढता गौवंश

हैरानी की बात है कि धनपुरी नगरपालिका और एसईसीएल प्रबंधन की नाक के नीचे बैगा माइंस के समीप खुले मैदान को डंपिंग यार्ड बना दिया गया है। यहां शहर का सड़ा-गला कूड़ा टनों के हिसाब से प्रतिबंधित प्लास्टिक पन्नियां खुले में फेंकी जा रही हैं। भूख से व्याकुल गौवंश और अन्य मवेशी भोजन की तलाश में यहां पहुंचते हैं और अनजाने में जहरीली पन्नियां और घातक अवशेष निगल रहे हैं। यह कचरा मवेशियों की अंतड़ियों में फंसकर उन्हें तिल-तिल कर मरने की ओर धकेल रहा है।

अमलाई कांड से भी नहीं ली सीख

अभी कुछ ही दिन पहले अमलाई क्षेत्र में एसईसीएल की लापरवाही ने खूनी खेल खेला था। वहां माइंस का एसिड वाला पानी पीने से 8 से अधिक गायों की तड़प-तड़प कर मौत हो गई थी। वह मंजर आज भी लोगों की रूह कंपा देता है, जब एक गाय ने अपने बिलखते बछड़े के सामने दम तोड़ दिया था। उस वक्त बड़े-बड़े दावे किए गए थे, जांच की बात हुई थी, लेकिन बैगा माइंस के हालात कह रहे हैं कि सिस्टम सुधरा नहीं, बल्कि और भी ज्यादा संवेदनहीन हो गया है। क्या एसईसीएल ने यह तय कर लिया है कि बेजुबानों को जिंदा नहीं रहने देना है? पहले पानी में जहर घोला, अब चारे की जगह प्लास्टिक परोस रहे हैं।

जिम्मेदारी से पल्ला झाडने का गंदा खेल

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर यह कचरा यहां फेंक कौन रहा है, नगरपालिका धनपुरी अपनी जिम्मेदारी से बच रही है, तो एसईसीएल प्रबंधन ने अपनी बंद पड़ी खदानों के आस-पास सुरक्षा और साफ-सफाई से पूरी तरह मुंह मोड़ लिया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि रात के अंधेरे में कचरे की गाडियां यहां जहर उगल कर चली जाती हैं। क्या प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और जिला प्रशासन की आंखें तब खुलेंगी जब एक बार फिर मवेशियों की लाशों के ढेर लगेंगे।

सत्ता की हनक में बेजुबानों की बलि

एसईसीएल जैसी बड़ी कंपनी, जो अरबों का कोयला निकालती है, क्या वह अपने कार्यक्षेत्र में चंद सुरक्षा घेरे और साफ-सफाई सुनिश्चित नहीं कर सकती और धनपुरी नगरपालिका का यह स्वच्छता मॉडल क्या सिर्फ कागजी विज्ञापनों तक सीमित है। बेजुबानों की आह इस भ्रष्ट तंत्र को ले डूबेगी। अगर प्रशासन ने तुरंत हरकत में आकर इस जानलेवा जाल को नहीं हटाया, तो यह आक्रोश सडक़ों पर उतरेगा और इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

इनका कहना है...

व्हाट्सअप के माध्यम से कुछ वीडियो प्राप्त हुए है, उस पर कार्यवाही करते हुए संबंधित एसबीडब्ल्यू के संचालक और एसईसीएल को पत्राचार किया और जिस नगर परिषद द्वारा कचरा फेंका जा रहा, उसकी जांच कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

डॉ.अशोक कुमार तिवारी
क्षेत्रीय अधिकारी
म.प्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड शहडोल

ट्रेन का अटेंडर और सुपरवाइजर निकला गांजा तस्कर

प्लेटफॉर्म पर दबोचे गए सफेदपोश आरोपी

शहडोल। रेलवे की चाक-चौबंद सुरक्षा और अटेंडरों के भरोसे पर नशे के सौदागरों ने करारा प्रहार किया है, लेकिन शहडोल जीआरपी की मुस्तैदी ने इस काले खेल का भंडाफोड़ कर दिया। सडक़ मार्ग पर पुलिसिया पहरे से घबराकर तस्करों ने अब पटरियों को अपना सेफ कॉरिडोर बना लिया था, पर प्लेटफॉर्म नंबर 2-3 पर बिछी घेराबंदी ने इनके मंसूबों को मिट्टी में मिला दिया।

बेडरोल की आड़ में मौत का सामान

पकड़े गए आरोपी कोई मामूली अपराधी नहीं, बल्कि ट्रेन के भीतर व्यवस्था संभालने वाले जिम्मेदार कर्मचारी निकले। मृणाल कांत महतो (सुपरवाइजर) और दीपेश महतो (बेडरोल अटेंडर) अपनी वर्दी और पद की आड़ में गांजे की अंतरराज्यीय तस्करी कर रहे थे। जीआरपी उप निरीक्षक आर.एम. झरिया की टीम ने जब इन्हें संदिग्ध बैग के साथ दबोचा, तो इनके पास से 10 किलो से अधिक उच्च गुणवत्ता वाला गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत बाजार में 2 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है।

रेलवे नेटवर्क के भीतर गहरी पैठ

हैरानी की बात यह है कि ये तस्कर पुलिस को चकमा देने के लिए ट्रेनों के सुरक्षित वातावरण का इस्तेमाल कर रहे थे। जैसे ही जीआरपी करीब पहुंची, इन सफेदपोश तस्करों ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की तत्परता के आगे इनकी चालाकी धरी की धरी रह गई। हीराकुंड एक्सप्रेस में चल रहे इस नशे के सिंडिकेट में और कितने बड़े मगरमच्छ शामिल हैं, जीआरपी अब उस पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने में जुट गई है, जो रेल सेवाओं की आड़ में नई पीढ़ी की रगों में जहर घोल रहा है।

इनका कहना है...

पश्चिम बंगाल निवासी मृणाल कांत महतो और झारखंड निवासी दीपेश महतो शहडोल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 2-3 पर एक संदिग्ध बैग के साथ ट्रेन का इंतजार कर रहे थे, रूटीन चेकिंग के दौरान उनको पकड़ कर उनकी तलाशी ली गई तो, उनके पास से गांजा मिला, गांजा जप्त कर दोनों को गिरफ्तार कर कार्यवाही की गई है।

आर.एम.झरिया
उप निरीक्षक
जीआरपी, शहडोल

सिस्टम की लापरवाही ने छीना झींकबिजुरी का नीर

सूखे कंठ... कागजों में बह रही नल-जल योजना!

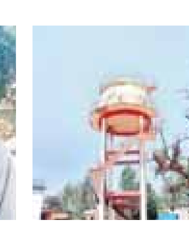

शहडोल। सत्ता की चौखट से दूर, जिले के अंतिम छोर पर बसे ग्राम पंचायत झींकबिजुरी में इन दिनों हाहाकार मचा है। सूरज ने अभी पूरी तरह आंखें तरेरी भी नहीं कि यहां जल-तांडव शुरू हो गया है। विडंबना देखिए कि जिस गांव की प्यास बुझाने के लिए सरकारी फाइलों में लाखों-करोड़ों की नल-जल योजना लहलहा रही है, वहां की हकीकत यह है कि बिजली का बिल न भरने के कारण गांव की बत्ती गुल है और नलों ने पानी की जगह हवा उगलना शुरू कर दिया है।

बिल के फेर में फंसी जनता की प्यास

झींकबिजुरी में जल संकट प्राकृतिक कम और प्रशासनिक ज्यादा है। बिजली विभाग ने बकाया बिल के चलते गांव का कनेक्शन क्या काटा, पूरी नल-जल योजना ही वेंटिलेटर पर आ गई। अब हालत यह है कि ग्रामीण बूंद-बूंद को तरस रहे हैं। नल-जल योजना के तहत बिछाई गई पाइपलाइनें अब केवल शो-पीस बनकर रह गई हैं। बिजली कटते ही मोटरें शांत हो गई हैं, लेकिन ग्रामीणों का आक्रोश सातवें आसमान पर है। गांव की महिलाएं कह रही हैं कि गले सूख रहे हैं, चूल्हे ठंडे पडऩे की नौबत है, लेकिन साहबों को फाइलों से फुर्सत नहीं है। क्या हम सिर्फ वोट देने के लिए बने हैं।

कागजी विकास की खुली पोल

झींकबिजुरी की यह तस्वीर विकास के दावों के मुंह पर करारा तमाचा है। सरकारी रिकॉर्ड में योजना चालू है, लेकिन धरातल पर उसकी सांसे उखड़ चुकी हैं। महिलाएं और मासूम बच्चे भीषण गर्मी में मीलों पैदल चलकर उन हैंडपंपों और कुओं तक जाने को मजबूर हैं, जो खुद दम तोड़ रहे हैं। वहां भी पानी के लिए घंटों कतारें लग रही हैं, मानो कोई युद्ध छिड़ा हो।

न नुमाइंदा दिखा, न जिम्मेदार

हैरानी की बात तो यह है कि जब गांव में त्राहि-त्राहि मची है, तब क्षेत्रीय विधायक और जिम्मेदार आला अफसर कुंभकर्णी नींद में सोए हुए हैं। चुनाव के वक्त जो नेता भागीरथ बनने का दावा करते थे, आज वे गांव की धूल फांकने को भी तैयार नहीं हैं। न तो किसी अधिकारी ने मौके पर जाकर ग्रामीणों के आंसू पोंछे और न ही संकट के समाधान की जहमत उठाई। जनता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है।

पीएचई और पंचायत की नूराकुश्ती

इस पूरे संकट की जड़ में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) और ग्राम पंचायत के बीच चल रही नूराकुश्ती है। पहले नल-जल योजना के बिजली बिल का भुगतान पीएचई के फंड से होता था, जो अब अचानक बंद हो गया है। पंचायत का कहना है कि बिल अभी भी पीएचई के नाम से आ रहा है, तो पंचायत उसका भुगतान कैसे करे, साथ ही, इतना भारी-भरकम फंड पंचायत के पास अचानक कहां से आएगा। पंचायत ने जनपद सीईओ को पत्र लिखकर मार्गदर्शन मांगा है, लेकिन सरकारी फाइलों की रफ्तार कछुए से भी धीमी है। बिजली विभाग को पैसे चाहिए, पंचायत को नियम चाहिए, लेकिन झींकबिजुरी की जनता को सिर्फ पानी चाहिए, जो फिलहाल नदारद है। ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बिजली बिल का निपटारा कर जलापूर्ति बहाल नहीं की गई, तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाएगी।

इनका कहना है...

ग्राम पंचायत के नाम से जो बिल आते हैं, उनका भुगतान बराबर किया जा रहा है, लेकिन पीएचई विभाग के बिल एकाएक हमें दे दिए गए हैं, जिसका भुगतान करना अभी संभव नहीं है , इसके लिए हमने जनपद सीईओ से पत्राचार किया है, जल्दी इसका निराकरण निकलेगा।

शिव शंकर
सचिव
ग्राम पंचायत झींक बिजुरी

******

ग्राम पंचायत व पीएचई विभाग के आपसी समन्वयक ना होने के कारण यह स्थिति निर्मित हो गई है, शीघ्र ही भुगतान करने पर समस्या का निराकरण किया जाएगा।

विकास कुमार
प्रभारी जेई, जैतपुर

इन्दवार की बेटी का डिजिटल जगत में डंका

श्रुति के पीछे उमड़ा 9.5 लाख का हुजूम

मानपुर। प्रतिभा किसी पहचान की मोहताज नहीं होती और न ही वह ऊंचे महलों की जागीर है। उमरिया जिले के छोटे से ग्राम इन्दवार की साधारण परिवार की बेटी श्रुति जायसवाल ने इसे सच कर दिखाया है। आज जब लोग इंटरनेट के मायाजाल में केवल समय गंवा रहे हैं, तब इस बेटी ने अपनी लगन से 9.5 लाख समर्थकों का विशाल साम्राज्य खड़ा कर दिया है।

रिश्तेदारों की झिडक़ी से मिली जीत की ऊर्जा

श्रुति की यह सफलता फूलों की सेज नहीं थी। इस सफर में अपनों की कड़वाहट और रिश्तेदारों के ताने भी मिले, जिन्होंने पग-पग पर उन्हें हतोत्साहित करने का प्रयास किया। लेकिन श्रुति ने इन आलोचनाओं को ही अपनी सीढ़ी बना लिया। पिता दरवारी लाल जायसवाल और माता नीतू जायसवाल के अटूट विश्वास तथा मार्गदर्शक अनिल कुमार जायसवाल के सहयोग ने श्रुति को क्षेत्र की सबसे बड़ी दृश्य-श्रव्य निर्मात्री बना दिया है।

10 लाख की ओर बढ़ते कदम

हाल ही में बरही में धूमधाम से अपना जन्मोत्सव मनाने वाली श्रुति अब 10 लाख (1 मिलियन) समर्थकों के जादुई आंकड़े की ओर बढ़ रही हैं। कला विषय से 12वीं की परीक्षा देने वाली इस छात्रा ने सिद्ध कर दिया है कि यदि संकल्प दृढ़ हो, तो छोटे से गांव से निकलकर भी सफलता की नई इबारत लिखी जा सकती है। मानपुर में होने वाले आगामी भव्य आयोजन की सुगबुगाहट ने अभी से विरोधियों की बोलती बंद कर दी है।

फाइलों से निकलकर खेत तक कब पहुंचेगी तकनीक

शहडोल में आत्मा और तिलहन मिशन का मेला संपन्न

शहडोल। सरकारी दावों और योजनाओं के शोर के बीच शहडोल के शासकीय आईटीआई परिसर में दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि मेले का पटाक्षेप हो गया। आत्मा और तिलहन मिशन के बैनर तले आयोजित इस जमावड़े में कृषि विशेषज्ञों ने मंच से ज्ञान की गंगा तो खूब बहाई, लेकिन बड़ा सवाल यही है कि क्या यह किताबी ज्ञान शहडोल के उन किसानों के पसीने की कीमत दिला पाएगा, जो आज भी मौसम और मंडियों की मार झेल रहे हैं।

बलराम तालाब का ऑनलाइन दांव

मेले के समापन पर सहायक संचालक कृषि अनुराग पटेल ने जल संरक्षण का राग अलापते हुए बलराम तालाब निर्माण पर जोर दिया। उन्होंने किसानों को अनुदान का लालच तो दिखाया, लेकिन शर्त जोड़ दी कि ऑनलाइन आवेदन। शहडोल के सुदूर अंचलों में बैठा वह किसान, जो आज भी नेटवर्क और बिजली के लिए जूझ रहा है, वह पोर्टल के मकडज़ाल में फंसकर अनुदान तक कैसे पहुंचेगा, इसका जवाब किसी के पास नहीं था। पटेल ने तिलहन की खेती को लाभ का सौदा बताया, लेकिन हकीकत यह है कि उन्नत बीजों की उपलब्धता और बाजार की अनिश्चितता आज भी किसान की कमर तोड़ रही है।

केमिकल की खेती पर प्रहार

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. बी.के. प्रजापति ने रासायनिक उर्वरकों के दुष्प्रभावों पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने जीवामृत और गोबर खाद को रामबाण बताया। सलाह तो अच्छी है, लेकिन जब फसल पर कीटों का हमला होता है, तब क्या विभाग इन प्राकृतिक विकल्पों के साथ किसान के कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहता है? डॉ. प्रजापति ने मूंग, उड़द और तिलहन को कम पानी वाली फसल बताकर अतिरिक्त आय का सपना दिखाया, जो सुनने में तो सुखद है पर धरातल पर क्रियान्वयन की चुनौती बड़ी है।

सब्जी की खेती और वैज्ञानिक मंत्र

प्रधान वैज्ञानिक डॉ. मृगेंद्र सिंह ने किसानों को पारंपरिक खेती छोड़ सब्जी उत्पादन और वैज्ञानिक तरीके अपनाने की नसीहत दी। उन्होंने पोषक खाद्यान्न के लिए जैविक खेती को एकमात्र विकल्प करार दिया। मेले में प्रदर्शनी और प्रशिक्षण के नाम पर औपचारिकताएं तो पूरी कर ली गईं, लेकिन देखना यह होगा कि इस दो दिवसीय आयोजन के बाद जिले के कितने किसानों की तकदीर सच में बदलती है या फिर यह आयोजन भी सिर्फ सरकारी बजट खपाने का एक और जरिया बनकर रह जाएगा।

कृषि मेले में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई आकर्षक प्रदर्शनी

शासकीय आईटीआई परिसर शहडोल में आयोजित जिला स्तरीय कृषि मेले में उद्यानिकी, मत्स्य एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा आकर्षक एवं जानकारीपूर्ण प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों को संबंधित क्षेत्रों की आधुनिक तकनीकों, योजनाओं एवं संभावनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदर्शित की गई थी। उद्यानिकी विभाग द्वारा फल, सब्जी एवं बागवानी फसलों की उन्नत किस्मों, ड्रिप सिंचाई प्रणाली एवं पौधरोपण तकनीकों को प्रदर्शित किया गया, जिससे किसानों को बागवानी के क्षेत्र में आय बढ़ाने के नए अवसरों की जानकारी मिली।

मत्स्य विभाग द्वारा मछली पालन की आधुनिक विधियों, तालाब प्रबंधन, उन्नत प्रजातियों एवं शासकीय योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई, जिससे किसानों को अतिरिक्त आय के स्रोत विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन, संरक्षण एवं विपणन से संबंधित तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। किसानों को बताया गया कि कैसे वे अपने उत्पादों को प्रसंस्कृत कर अधिक लाभ कमा सकते हैं।

खबर संक्षेप

खेर माता पुलिया के पास जमी सरपट की हुई सफाई

उमरिया। प्रदेश सरकार के आव्हान पर जिले में प्रारंभ किए गए जल गंगा संवर्धन अभियान अब जनांदोलन बनता जा रहा है। अभियान में सभी वर्गों के लोग बडी संख्या में भाग लेते हुए श्रमदान करते हुए अपना पसीना बहा रहे है, जिससे नदियों,तालाबों का अब कायाकल्प भी होने लगा है।

करकेली विकासखंड के खेर माता पुलिया से विधायक बांधवगढ शिवनारायण सिंह, कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह कि उपस्थिति में जल गंगा संवर्धन अभियान का आगाज किया गया था तथा खेर माता पुलिया के नीचे स्थित नदी पर जमे सरपट को साफ करने का बीड़ा अधिकारियों , जनप्रतिनिधियों तथा ग्रामीणजनों ने उठाया, जिसका परिणाम रहा कि श्रमदान के माध्यम से सरपटों की सफाई कर दी गई है। विदित हो कि नदी से सरपट के हट जाने पर अब इसका पानी मवेशियों सहित ग्रामीणों के काम आएगा।

जीएस हितकारिणी समिति कोतमा के द्वारा जल संवाद कार्यक्रम का किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज कोतमा। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था जीएस हितकारिणी समिति कोतमा के द्वारा ग्राम पथरौडी में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सहयोग से गंगा संवर्धन अभियान में जल संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जल संरक्षण पर चर्चा की गई लोगों ने बताया कि माह फरवरी से इस गांव में जल संकट की समस्या होने लगती है उन्होंने बताया कि यहां कुएं का पानी सूख गया है तथा लोग दूर से पानी लाते हैं हैंड पंप से पानी नहीं निकल रहा जिस कारण से बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जिस पर सोप किट के संदर्भ में लोगों को जानकारी दी गई तथा वर्षा जल संरक्षण के बारे में बताया गया।

ग्राम पंचायत चंगेरी में निशुल्क प्याऊ का किया गया उद्घाटन

कोतमा। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्रथम चरण जल शक्ति से 9 भक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की नामांकित संस्था जीएस हितकारिणी समिति कोतमा के द्वारा कोतमा विकास अंतर्गत सेक्टर क्रमांक 4 ग्राम पंचायत चंगेरी में निशुल्क प्याऊ का उद्घाटन महेंद्र कुमार यादव अध्यक्ष कान्हा जन कल्याण समिति और संस्था सचिव ओंकार सिंह के द्वारा फीता काटकर किया गया जिसमें ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति चगेरी के समस्त पदाधिकारी मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम की छात्रा एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

जिला स्तरीय संकल्प से समाधान शिविर संपन्न

संकल्प से समाधान शिविर के माध्यम से आम जनों को किया गया लाभांवित - कलेक्टर

उमरिया। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र लोगों को दिलाने के लिये जिले में 12 जनवरी से 31 मार्च 2026 तक संकल्प से समाधान अभियान चलाया गया। संकल्प से समाधान शिविरों के माध्यम से वंचित योजनाओं के लाभ से आम जनों को लाभांवित किया गया। उक्त आशय के विचार कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जिला मुख्यालय उमरिया स्थित मंगल भवन परिसर में आयोजित जिला स्तरीय संकल्प से समाधान शिविर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए । उन्होने कहा कि प्रथम चरण में 12 जनवरी से 15 फरवरी तक चलाए गए शिविर में घर घर जाकर आवेदन पत्र प्राप्त किए गए तथा हितग्राहियों को लाभ से लाभांवित किया गया। व्दितीय चरण 16 फरवरी से 15 मार्च तक आयोजित किया गया , इस दौरान 27 क्लस्टर पर शिविरों का आयोजन किया गया । आज 30 मार्च को जिला स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया है। अभियान के तहत सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई, ईमेल तथा लोक सेवा केंद्रों प्राप्त आवेदनों का भी निराकरण किया गया है। उन्होने बताया सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार उमरिया जिले में भी 14 वर्ष से लेकर 15 वर्ष तीन माह तक कि किशोंरियों को स्वास्थ्य केंद्रो के माध्यम से एचपीवी का टीका लगाया जा रहा है। सभी किशोरियां इस टीके को निश्चित रूप से लगवाएं । यह टीका पूरी तरह से सुरक्षित है। इसका कोई साईड इफेक्ट नही है तथा एचपीवी टीके को लेकर किसी भी प्रकार की भ्रांतियों पर ध्यान नही दें ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने कहा कि संकल्प से समाधान के तहत विभिन्न स्तरों पर आयोजित शिविरो में 178 प्रकार की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया गया है । उन्होने बताया कि ग्रामीण स्तर पर 20 क्लस्टर तथा नगरीय निकायों में 7 क्लस्टर कुल 27 क्लस्टर के माध्यम से शिविर आयोजित किए गए तथा आवेदन प्राप्त करते हुए हितग्राहियों को लाभांवित किया गया । शिविर के दौरान 36241 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 36019 आवेदनों का निराकरण कर दिया गया है। उन्होने बताया कि अभियान के दौरान छूटे हुए हितग्राहियों को भी योजनाओं के लाभ से लाभांवित किया जाएगा । कार्यक्रम को शंभू लाल खटटर,धनुषधारी सिंह ने संबोधित करते हुए अपने अपने विचार व्यक्त किए तथा शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए लोगों से अपील की। कार्यक्रम का शुभारंभ कन्या पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया । इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर अमित सिंह, एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह,तहसीलदार बांधवगढ दिलीप सोनी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी किशन सिंह,पार्षद,हितग्राही तथा बड़ी संख्या में आम जन उपस्थित रहे ।

संकल्प से समाधान शिविर में हितग्राहियों को किया गया हितलाभ का वितरण

उमरिया। जिला मुख्यालय के मंगल भवन परिसर में आयोजित जिला स्तरीय संकल्प से समाधान शिविर में विभिन्न विभागों व्दारा संचालित हितग्राही मूलक योजनाओं के लाभ से हितग्राहियों को लाभांवित किया गया ।

इस दौरान मत्स्य पालन विभाग व्दारा संचालित केसीसी योजना के तहत मंती बाई, रजिया बाई,बिसतिया बाई,रवि केवट,धनीराम बर्मन,लाडली लक्ष्मी योजना के तहत संतोषी कोल,खुशी विश्वकर्मा,श्रेयांती तिवारी, वामिका महोबिया,दिव्या यादव,प्रधानमंत्री स्व निधि योजना के तहत यश कुमार सोनी,नंदिनी सिंह रठौर, संतोषी झारिया,प्रेम गुप्ता, पुनीत कुमार,नवीन नल कनेक्शन के तहत प्रदीप, अशोक,सावित्री,तराना, नो प्रोडयूज प्रमाण पत्र के तहत निर्मला चौधरी, मो इलियास, विश्वजीत रे, रूकसाना बी, प्रदीप प्रजापति, विधवा पेंशन के तहत गुडडी बाई, लल्ली, वृध्दावस्था पेंशन के तहत अनीता कुशवाहा, सरस्वती रैकवार, कुंवरिया , मुख्यमंत्री कल्याणी पेंशन योजना के तहत लक्ष्मी कुशवाहा, मुख्यमंत्री दिव्यांग पेंशन के तहत विकास सिंह, दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन के तहत हूर फातिमा,लर्निंग ड्रायविंग लाइसेंस के तहत मानवी बर्मन, चांदनी बर्मन, जानकी बर्मन, मनोज तोमर, अमन तोमर को लाभ वितरित किया गया।

इसी तरह अनुग्रह सहायता योजना के तहत दुआसा बैगा, नीतू बैगा, पीएम आवास योजना के तहत बविता कुशवाहा, रामरती कोरी, सावित्री कोरी, प्रेम बाई कोरी, पी एम के एस वाय माइक्रो के तहत राम प्रताप काछी, कमलेश राय, फूलचंद यादव, मुकेश कुमार काछी, नान बाई, ई कृषि अनुदान योजना के तहत देवेंद्र कुमार महरा, विजय सिंह ,जन जातीय कार्य विभाग व्दारा संचालित स्वरोजगार योजना के हितग्राही राज कुमार प्रजापति,वीरनारायण सिंह, रामलाल महार,राज कुमार दाहिया,लैंची बाई,स्वा0 विभाग व्दारा एचपीव्ही टीकाकरण कराने वाली हितग्राही ममता प्रजापति, कृष्णा साहू, आयुष्मान कार्ड योजना कि हितग्राही ममता साहू, मनीष गिरी गोस्वामी, सुनैना को टीबी रोग से मुक्त होने हेतु फूड बास्केट तथा मुख्यमंत्री दुधारू पशु प्रदाय योजना के तहत नत्थू लाल बैगा, राजेश बैगा, ब्रजलाल बैगा, जुगराजी बैगा, प्रेमलाल बैगा को लाभांवित किया गया।

स्टॉल के माध्यम से दी गई हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी

उमरिया। जिला मुख्यालय के मंगल भवन परिसर में आयोजित जिला स्तरीय संकल्प से समाधान शिविर में विभिन्न विभागों व्दारा हितग्राही मूलक योजनाओं के स्टाल लगाए गए थे।

स्टॉल के माध्यम से पशुपालन विभाग व्दारा दुग्ध समृध्दि अभियान,समुन्नत पशु प्रजनन कार्यक्रम योजना,पशु धन बीमा योजना,आचार्य विद्यासागर योजना,कृषि विभाग व्दारा प्राकृतिक खेती करने के फायदे,वैकल्पिक एवं संतुलित उर्वरक उपयोग, जैविक कीट एवं व्याधि प्रबंधन,धान की उन्नत खेती, स्वा0 विभाग व्दारा किशोरावस्था वृध्दि का समय शारीरिक और मानसिक बदलाव, राष्ट्रीय मानसिक स्वा0 कार्यक्रम, महिला बाल विकास विभाग व्दारा बाल विवाह रोकथाम अभियान, बेटी बचाओ , बेटी पढाओ, साइबर क्राइम का करेगे हम पर्दाफाश, सशक्त नारी सशक्त परिवार, बिजली विभाग व्दारा स्मार्ट मीटर से होने वाले फायदे, उर्जा विभाग की समाधान योजना, पीएम सूय घर मुफत बिजली योजना उद्यानिकी विभाग व्दारा पीएम एफ एम ई प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना कि जानकारी दी गई ।

अमरकंटक में 3 अप्रैल को अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा की बैठक

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा जिला अनूपपुर की महत्वपूर्ण बैठक 3 अप्रैल को पवित्र नगरी अमरकंटक में आयोजित की जाएगी। बैठक शुक्रवार दोपहर 1 बजे शेष्टर गेस्ट हाउस, अमरकंटक में संपन्न होगी। इस संबंध में जिला अध्यक्ष रामचरण यादव ने संगठन से जुड़े सभी पदाधिकारियों, महिला यादव महासभा, युवा यादव महासभा तथा समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है। जिला अध्यक्ष रामचरण यादव द्वारा जारी सूचना में बताया गया कि बैठक में संगठन के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। बैठक के एजेंडे में यादव महासभा के स्थापना वर्ष को मनाने की रूपरेखा, रायपुर स्थित यादव धर्मशाला का सही उपयोग किए जाने पर विचार तथा वर्ष 2026-27 के लिए सदस्यता अभियान को लेकर रणनीति तय की जाएगी। रामचरण यादव ने कहा कि समाज और संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों और सदस्यों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने महिला और युवा प्रकोष्ठ के सदस्यों से भी बैठक में उपस्थित होकर अपने विचार रखने का आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि बैठक में समाज से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की जाएगी, जिससे संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। जिला अध्यक्ष रामचरण यादव ने सभी पदाधिकारियों एवं समाज के लोगों से समय पर उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाने की अपील की है।

धूमधाम से मनाया गया महावीर प्रभु के 2625वें जन्मकल्याणक

हरिभूमि न्यूज कोतमा। सोमवार को नगर में जियो और जीने दो का संदेश देने वाले देवाधिदेव 1008 वर्धमान महावीर प्रभु के 2625 वें जन्मकल्याणक बड़े धूमधाम से मनाई गई। नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ इकठ्ठी होना शुरू हो गई थी। मंदिर में विशेष अभिषेक एवं पूजा, आरती की गई। समाज के सभी वर्गों के द्वारा श्रीजी की शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गो में निकाली गई। शोभा यात्रा के दौरान सभी घरों की महिलाओं के द्वारा अपने अपने घरों के सामने आकर्षक रंगोली सजाई गई थी एवं श्रीजी की आरती उतार कर आशीर्वाद लिया। शोभायात्रा के दौरान भगवान महावीर स्वामी के जयकारे, जियो और जीने दो, अहिंसा परमो धर्मः के नारे गूंजते रहे। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर पाठशाला की बच्चियों के द्वारा भगवान महावीर स्वामी की बाल्यावस्था की झांकी सजाई गई थी। और भगवान महावीर स्वामी को पालने में झूला झूलते हुए नगर की गलियों में भ्रमण करवाया गया। बड़े ही उत्साह पूर्वक श्रीजी का जन्मोत्सव मनाया गया। नगर में जगह-जगह श्री जी की झांकी की आरती उतार कर पूजा अर्चना की गई। श्री जी की झाकी नगर के बड़े जैन मंदिर से प्रारंभ होकर स्कूल चौराहा, रेलवे फाटक तिराहा, विद्यासागर मार्ग, स्टेशन चौक, पुराना हॉस्पिटल रोड, गांधी चौक, आजाद चौक, कन्या स्कूल, मुखर्जी चौक सहित अन्य मार्ग में भ्रमण कर वापस जैन मंदिर पहुंची। जयंती पर समाज के युवा, महिलाएं पुरुष एवं बच्चे भी शामिल रहे। पूरे दिन जैन समाज के द्वारा विभिन्न सामाजिक व धार्मिक कार्य करने के साथ शाम को अपने घरों के सामने दीपक जलाया गया था।

भालूमाड़ा पुलिस ने अवैध रुप से पशु तस्करों के विरूद्ध की कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज भालूमाड़ा। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती-उर-रहमान के निर्देशन मे, अति. पुलिस अधीक्षक जगनाथ सिंह मरकाम तथा अनु.अधि. कोतमा (पुलिस) नवीन तिवारी के मार्ग दर्शन में थाना भालूमाड़ा की पुलिस टीम द्वारा 30 मार्च को प्रातः 04.30 बजे के लगभग सूचना की एक पीकप में मवेशी लोड कर भालूमाडा से जमुना तरफ जा रहा है।

सूचना मिलते ही त्वरित कार्यवाही करते हुए भालूमाडा पुलिस टीम द्वारा भालूमाडा रोड पसान में नाकाबंदी किया गया तो एक पीकप चालक अपनी पीकप को दूर से ही पुलिस को देख कर रोक दिया और पीकप को बैक कर भागने का प्रयास कर रहा उसी समय पीकप वाहन का पहिया गढ्ढे में फंस जाने से पीकप चालक वाहन को छोड कर भाग गया पिकप में 06 नग भैसा एवं 01 नग भैसी कुल 07 नग मवेशी भैंस पडवा को कम जगह में ठूस ठूस कर क्रूरता पूर्वक लाद ले जाते पाया गया आरोपी मौके से अंधेरे का फायदा उठाकर फरार होने में कामयाब रहा मौके पर पीकप में लोड 7 नग मवेशी भैंस पडा एवं एक सफेद रंग की पिकप कुल कीमत 6,05,000 रूपये को जप्त किया गया है तथा उक्त जप्तशुदा मवेशियों को काजीहाउस पसान में रखाया गया तथा अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 102/2026 धारा 11(घ) पशु क्रूरता अधि. म.प्र. कृषक पशु परि. अधि. 4, 6, 6(क), 9, 10, 11 एवं 66/192ए एम.व्ही एक्ट कायम किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी भालूमाडा उप निरी विपुल शुक्ला, सहा. उप निरी. चन्द्रहास बांधेकर, प्र.आर. 55 विवेक त्रिपाठी, आर. 224 चक्रधर तिवारी की अहम भूमिका रही ।

बिजुरी पुलिस की सट्टा के विरुद्ध कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज बिजुरी। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती-उर-रहमान के द्वारा जुआ सट्टा के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने का आदेश दिया है जिसके परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) कोतमा नवीन तिवारी के मार्गदर्शन में थाना बिजुरी टीम द्वारा मुखबिर तंत्र सक्रिय कर अवैध सट्टा खिलाने वालो पर रेड कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान आरोपीगण राकेश साहू उम्र 44 वर्ष, निवासी भवनियाटोला, थाना बिजुरी, शनि वाल्मीकि उम्र 30 वर्ष, निवासी कपिलधारा, थाना बिजुरी, प्रकाश वर्मा उम्र 38 वर्ष, निवासी कपिलधारा, थाना बिजुरी, हरिहर प्रसाद केवट उम्र 33 वर्ष, निवासी कपिलधारा, थाना बिजुरी के विरुद्ध सट्टा अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई। अपराध क्रमांक 103/26, 104/26, 105/26, 106/26 धारा 4 (क) सट्टा एक्ट का कायम किया जाकर आरोपीगणों से कुल नगदी रकम 4740 रुपये जप्त किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बिजुरी निरीक्षक विकास सिंह, प्र.आर. 87 बसंत कोल, आर. 502 विश्वजीत मिश्रा, आर. 528 प्रभाकर त्रिपाठी, आर. 225 राजदेव सिंह, तथा चा.आर. 285 कर्मजीत सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

खबर संक्षेप

महंगाई के करंट और खाली सिलेंडर पर भड़की कांग्रेस

शहडोल। सत्ता की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ अब सड़कों पर संग्राम छिड़ने वाला है। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के आह्वान पर जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल ने कमर कस ली है। मंगलवार 31 मार्च को दोपहर 12 बजे जिला कलेक्ट्रेट के सामने कांग्रेस का विराट धरना-प्रदर्शन होगा, जो सीधे तौर पर केंद्र और राज्य सरकार की चूलें हिलाने का दम रखता है।

रसोई का बजट बिगड़ा, बिजली ने झटके दिए- जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व में होने वाले इस प्रदर्शन का मुख्य निशाना गैस सिलेंडरों के आसमान छूते दाम और बिजली बिलों में की गई बेतहाशा वृद्धि है। कांग्रेस का सीधा आरोप है कि सरकार आम आदमी की जेब पर डकैती डाल रही है। एक तरफ रसोई गैस की किल्लत है, तो दूसरी तरफ पेट्रोल-डीजल की कमी ने परिवहन की कमर तोड़ दी है। जनता त्राहि-त्राहि कर रही है और सरकार कुंभकर्णी नींद में सोई है।

शहडोल में सियासी भूचाल की तैयारी- मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला ने साफ कर दिया है कि यह केवल प्रतीकात्मक विरोध नहीं, बल्कि आर-पार की जंग है। प्रदर्शन के बाद प्रशासन को तीखा ज्ञापन सौंपा जाएगा। अजय अवस्थी ने कार्यकर्ताओं और आमजन से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में जुटकर इस गूंगी-बहरी सरकार के खिलाफ हुंकार भरें।

जबलपुर से दबोचा गया पौने पांच लाख का शातिर ठग

ब्यौहारी। पुलिस ने डिजिटल ठगी के एक हाई-प्रोफाइल मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए जबलपुर के शातिर जालसाज को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। सवा चार लाख से अधिक की खून-पसीने की कमाई पर डाका डालने वाला आरोपी अब पुलिस की गिरफ्त में है। मामला ब्यौहारी की निवासी निर्मला पटेल से जुड़ा है, जिनकी मेहनत की कमाई पर आरोपी अभयराज साहू निवासी जबलपुर ने गिद्ध जैसी नजर गड़ा रखी थी। शातिर ठग ने फरियादिया के दो अलग-अलग बैंकों (एसबीआई और सेंट्रल बैंक) के खातों में सेंध लगाई और यूपीआई के जरिए कुल 4,85,307 रुपये पार कर दिए। जब महिला बैंक स्टेटमेंट लेने पहुंची, तो पैरों तले जमीन खिसक गई।

रेलवे स्टेशन पर बिछाया जाल
ब्यौहारी पुलिस ने इस मामले को चुनौती के रूप में लिया। थाना प्रभारी निरीक्षक जियाउल हक के नेतृत्व में सायबर सेल शहडोल की मदद से डिजिटल पदचिह्नों का पीछा किया गया। आरोपी घटना के बाद से ही पुलिस को छका रहा था, लेकिन सायबर इनपुट ने उसकी लोकेशन जबलपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रैक कर ली। 29 मार्च को पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया। ठग को भागने का मौका तक नहीं मिला और सीधे जबलपुर से ब्यौहारी लाया गया, जहां से उसे न्यायालय में पेश कर जेल की राह दिखा दी गई।

इनकी रही भूमिका - इस पूरी कार्रवाई में ब्यौहारी पुलिस की तत्परता काबिल-ए-तारीफ रही। निरीक्षक जियाउल हक के साथ उपनिरीक्षक वीरेन्द्र तिवारी, आरक्षक गंगा सागर गुप्ता, पंकज सिंह और महिला आरक्षक माधुरी साहू की टीम ने प्रोफेशनल ढंग से इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। सायबर सेल शहडोल की तकनीकी मदद ने इस केस की गुत्थी सुलझाने में रीढ़ की हड्डी का काम किया।

विश्व मांगल्य सभा के मातृ संस्कार कार्यक्रम में सहभागिता

शहडोल। विश्व मांगल्य सभा द्वारा रीवा में आयोजित मातृ संस्कार संगम कार्यक्रम में शहडोल जिले की मातृशक्तियों एवं सामाजिक प्रतिनिधियों ने सहभागिता दर्ज कराई। इस दौरान समाज निर्माण में मातृशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका पर विशेष रूप से जोर दिया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि एक संस्कारित समाज और सशक्त राष्ट्र की नींव मातृशक्ति ही रखती है। मां ही बच्चों को प्रारंभिक संस्कार देती है, जिससे उनके व्यक्तित्व और चरित्र का निर्माण होता है। ऐसे में मातृशक्ति का सशक्त एवं जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। शहडोल से शामिल प्रतिभागियों ने बताया कि कार्यक्रम में मातृत्व के संस्कार, त्याग और समाज के प्रति महिलाओं के योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने वर्तमान समय में नैतिक मूल्यों के संरक्षण और नई पीढ़ी को सही दिशा देने में माताओं की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। ‹इस अवसर पर विश्व मांगल्य सभा के प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती सूरज डामोर, क्षेत्रीय संगठन मंत्री सुश्री पूजा पाठक, वरिष्ठ उद्यमी श्रीमती मनोजा सिंह, सहित कई गणमान्य जन उपस्थित रहे।

नगरीय विकास ने की नाम निर्दिष्ट पार्षदों की घोषणा पाली में चहुँ ओर खुशी की लहर, बधाइयों का ताता

मध्यप्रदेश शासन नगरीय विकास विभाग के व्दारा नाम निदिष्ठ पार्षदों की घोषणा करते हुये नगर पालिका परिषद के अति विशिष्ट नागरिकों को पार्षद पद पर चयन किया गया है।

बिरसिंहपुर पाली

इनमें भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मंडल अध्यक्ष विव्दान अधिवक्ता सुशांत सक्सेना, पूर्व मंडल अध्यक्ष और युवा तुर्क प्रदीप सोनी, भारतीय जनता पार्टी के कामता प्रसाद विश्वकर्मा, सुधीर मोटवानी, कमल सिंह, और महिला नेत्री श्री मती वंदना यादव की ताजपोशी की गयी है। नगर पालिका परिषद पाली में नव निर्वाचित पार्षदों की घोषणा से नगर में हर्ष की लहर दौड़ गयी है। नव निर्वाचित पार्षदों को नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष सुश्री शंकुतला प्रधान, उपाध्यक्ष राजेश पटेल,भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष श्रीमती राधा तिवारी, और उनकी टीम ने शुभकामनाएं दी है। वही पर नव निर्वाचित पार्षदों को उनके इष्ट मित्रों ने हार्दिक शुभकामनाएं दी है। पार्षद मनोनीत होने पर प्रदीप सोनी का भव्य स्वागत नगर में किया गया।विदित होवे की मध्यप्रदेश शासन नगरीय विकास विभाग ने पाली सहित 122 नगर पालिका परिषद में नाम निदिष्ठ पार्षदों का आदेश जारी कर नगरीय निकायों को विकास कार्यों के लिए एल्डर मैन नियुक्ति किया है।

महागणना 2027: कागजों से निकलकर गलियों में उतरी फौज

शहडोल।

भारत की महागणना 2027 का शंखनाद हो चुका है और जिला प्रशासन ने इसकी मुस्तैदी का ट्रेलर ग्राम कुदरी में दिखा दिया है। तीन दिनों तक शासकीय रघुराज स्कूल के बंद कमरों में चली थ्योरी के बाद, फील्ड ट्रेनरों की फौज ने जमीन पर उतरकर मकानों की सर्जिकल स्ट्राइक शुरू कर दी है। यह केवल मकानों की गिनती नहीं, बल्कि आपके घर की रसोई से लेकर आपके मोबाइल डेटा तक की डिजिटल घेराबंदी है।

8 टीमों ने खंगाला कोना-कोना

अपर कलेक्टर और जिला जनगणना अधिकारी सरोधन सिंह की सीधी निगरानी में कुदरी गांव को एक लाइव प्रयोगशाला में बदल दिया गया। 1600 भवनों के इस गांव को दो हिस्सों में बांटकर 8 विशेष टीमों ने धावा बोला। प्रगणकों ने घर-घर जाकर मुखियाओं से वह 34 सवाल पूछे, जो आने वाले दशक के लिए आपकी पहचान तय करेंगे। टीवी, रेडियो, गाड़ी, इंटरनेट से लेकर आपके शौचालय और पेयजल की व्यवस्था तक—कुछ भी सरकारी नजरों से नहीं बचा। यहां तक कि एनसीसी ऑफिस और ममता गुप्ता जैसे परिवारों के आवासीय परिसरों की बारीकियों को मोबाइल ऐप में लॉक कर दिया गया।

अब नहीं चलेगी डेटा में हेराफेरी

इस बार की जनगणना कलम-दवात वाली पुरानी रस्म नहीं, बल्कि हाई-टेक डिजिटल वार है। राज्य स्तरीय प्रशिक्षकों की मौजूदगी में एचबीएफ के माध्यम से डेटा को सीधे ऑनलाइन सर्वर पर चढ़ाया गया। प्रशासन का सख्त संदेश है कि त्रुटि की कोई गुंजाइश नहीं। मास्टर ट्रेनर्स को साफ कर दिया गया है कि अगर फील्ड में डेटा संकलन में चूक हुई, तो पूरी पारदर्शिता पर सवाल खड़े होंगे।

गोपनीयता का कवच या सरकारी दखल

जिला जनगणना अधिकारी ने इसे राष्ट्रीय महत्व का मिशन बताते हुए भरोसा दिलाया है कि जनता का डेटा पूरी तरह सुरक्षित और गोपनीय रहेगा, लेकिन साथ ही ग्रामीणों को यह सख्त हिदायत भी दी गई है कि जब प्रगणक दरवाजे पर आएं, तो सही और सटीक जानकारी ही दें। गोल-मोल जवाब देने वालों की खैर नहीं, क्योंकि यह डेटा ही भविष्य की योजनाओं का आधार बनेगा। साफ है कि प्रशासन अब घर-घर पहुंच चुका है। शहडोल की गलियों में शुरू हुआ यह अभ्यास आने वाले दिनों में जिले के हर छप्पर और हर महल की हकीकत को डिजिटल पन्नों पर दर्ज करने की तैयारी है।

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरसिंहपुर पाली में गृह परीक्षा परिणाम घोषित

बिरसिंहपुर पाली

शिक्षा एवं संस्कार के लिए प्रसिद्ध पाली नगर का प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थान सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आज अपना गृहकक्षाओं का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया जिसमें समिति के सम्माननीय अध्यक्ष श्री रमाशंकर शिवहरे जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री राव जी (अभिभावक), विशिष्ट अतिथि श्रीमती गुलाब बाई विश्वकर्मा (अभिभाविका) एवं अन्य अभिभावक, मातृशक्ति, भैया बहन , आचार्य परिवार की उपस्थिति रही कक्षा अरुण में शिवन्या प्रजापति 93.13% प्रथम स्थान, तन्वय काछी 92.75% द्वितीय स्थान,जानवी प्रजापति 92.38% तृतीय स्थान कक्षा उदय में अन्वेशा वर्मा 98.63% प्रथम स्थान,आयुष बर्मन 96.38% द्वितीय स्थान,विवान सिंह 95.63% तृतीय स्थान कक्षा प्रथम में रिषभ कुमार काछी 99.33% प्रथम स्थान,आदर्श गुप्ता 98.33% द्वितीय स्थान, पूरब पटेल 97.83% तृतीय स्थान कक्षा द्वितीय में मोक्षिता राव 94.83% प्रथम स्थान, सोनम प्रजापति 94% द्वितीय स्थान, राशि प्रजापति 93.67% तृतीय स्थान कक्षा तृतीय में आयूषी प्रजापति 95.8% प्रथम स्थान,प्रियल नामदेव 89.97% द्वितीय स्थान, नंदिनी साहू 88.79% तृतीय स्थान कक्षा चतुर्थ में गोविंद प्रजापति 93.98% प्रथम स्थान, अर्पिता नामदेव 88.3% द्वितीय स्थान, नंदिनी गुप्ता 87.10% तृतीय स्थान कक्षा षष्ठम में ओम नामदेव 88.55% प्रथम स्थान, हबीबा सिद्दीकी 78.67% द्वितीय स्थान,सौरभ चतुर्वेदी 75.50% तृतीय स्थान कक्षा सप्तम में महक विश्वकर्मा 88.17% प्रथम स्थान, भावना कुशवाहा 84.% द्वितीय स्थान,संजू प्रजापति 82.67% तृतीय स्थान कक्षा नवम में भूमेश्वरी कुशवाहा 89.33% प्रथम स्थान, रुचिता वर्मा 80.67% द्वितीय स्थान, श्रद्धा गुप्ता 79.5% तृतीय स्थान, कक्षा एकाएक में श्रद्धा अग्रवाल 72.60% प्रथम स्थान,सार्थक विश्वकर्मा 72.4% द्वितीय स्थान, अंशिका गुप्ता 68.80% तृतीय स्थान में रहीं प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त भैया बहनों को उपहार एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया सभी कक्षाओं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा सभी को समिति पदाधिकारियों ने उज्वल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किए हैं मंच संचालन श्री नंदराम शर्मा (व्याख्याता) के द्वारा किया गया अंत में शांति मंत्र के साथ समापन किया गया। 1 अप्रैल से नवीन शिक्षा सत्र प्रारंभ होगा

महावीर जयंती पर उमड़ा आस्था का सैलाब: मुनिश्री के सानिध्य में निकली भव्य विमान शोभायात्रा

बुढ़ार।

तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर सोमवार को नगर में जैन समाज द्वारा भव्य विमान शोभायात्रा निकाली गई।

इस वर्ष का आयोजन बुढ़ार जैन समाज के लिए अत्यंत विशेष रहा, क्योंकि पूरी शोभायात्रा को पूज्य निर्यापक मुनि श्री प्रसाद सागर जी महाराज एवं पूज्य मुनि श्री शीतल सागर जी महाराज का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। मुनिश्री की उपस्थिति ने श्रद्धालुओं के उत्साह को कई गुना बढ़ा गया।

108 कलशों से हुआ भगवान का अभिषेक

कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार प्रातः7 बजे श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर में हुआ। मुनिश्री के मुखारबिंद से उच्चारित मंत्रों के बीच 108 कलशों से भगवान महावीर स्वामी का भव्य अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न की गई। भक्तिमय वातावरण में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर धर्म लाभ लिया।

नगर भ्रमण पर निकले ‘त्रिशला नंदन’

दोपहर में मुनिश्री की आहार चर्या संपन्न होने के पश्चात, ठीक दो बजे श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर से विमान शोभायात्रा प्रारंभ हुई। गाजे-बाजे और पारंपरिक नृत्य के साथ निकली इस पालकी यात्रा में भगवान महावीर के जयकारों से पूरा नगर गुंजायमान हो उठा।

भ्रमण मार्गः शोभायात्रा मंदिर से शुरू होकर रेलवे स्टेशन चौक, टॉकीज मार्ग और राम जानकी मंदिर रोड जैसे पारंपरिक मार्गों से गुजरी।

जगह-जगह स्वागतः नगरवासियों ने जगह-जगह रुककर भगवान की आरती उतारी और पूजा-अर्चना की।

समापनः नगर भ्रमण के पश्चात शोभायात्रा पुनः मंदिर जी पहुंची, जहां भगवान का विशेष मस्तकाभिषेक किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम

उत्सव का क्रम यहीं नहीं रुका। शाम को भगवान की महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इसके उपरांत पाठशाला के बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

सामूहिक सहभागिता और सुरक्षा व्यवस्था

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में बूढ़ार के साथ-साथ धनपुरी और अमलाई की कमेटियों व पाठशाला के बच्चों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शोभायात्रा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार की टीम ने पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। कार्यक्रम में जैन समाज की महिलाओं, पुरुषों और युवाओं की भारी उपस्थिति रही।

सड़कों पर उतरीं सीएमओः स्वच्छता का अल्टीमेटम लापरवाही की तो खैर नहीं

शहडोल। नगर पालिका शहडोल अब केवल कागजों पर स्वच्छ भारत का नारा नहीं लगाएगी, बल्कि डंडा लेकर सड़कों पर उतरेगी। शहर की बिगड़ी सूरत को सुधारने के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आशा जितेंद्र भंडारी ने खुद कमान संभाल ली है। लल्लू सिंह चौराहे से लेकर न्यू बस स्टैंड तक चले सफाई सर्जिकल स्ट्राइक के दूसरे दिन सीएमओ ने सीधे शब्दों में चेतावनी दी है कि नगर की सुंदरता से खिलवाड़ अब बर्दाश्त नहीं होगा।

झाड़ू भी चली और जेसीबी भी

नगर पालिका की टीम ने लगातार दूसरे दिन मुख्य मार्ग को छावनी में तब्दील कर सघन सफाई अभियान चलाया। अटल पथ के दोनों ओर स्वच्छता मित्रों ने जमी हुई धूल-मिट्टी को उखाड़ फेंका, तो वहीं जेसीबी मशीनों ने सड़क किनारे कब्जा जमाए मलबे और झाड़ियों को नेस्तनाबूद कर दिया। कचरे का केवल संकलन नहीं हुआ, बल्कि उसे वैज्ञानिक तरीके से डंप करने का सख्त आदेश भी मौके पर ही तामील कराया गया।

सीएमओ की सीधी चेतावनीः दोषी बचेंगे नहीं!

निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने जोन प्रभारियों की क्लास लेते हुए स्पष्ट कर दिया कि सफाई में खानापूर्ति का दौर खत्म हो चुका है। उन्होंने दो-टूक कहा कि सफाई कार्यों में रत्ती भर की लापरवाही भी अब बर्दाश्त नहीं होगी। अगर किसी वार्ड या मार्ग पर गंदगी दिखी, तो जिम्मेदार अधिकारियों पर गाज गिरना तय है। साथ ही, उन्होंने लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के संकेत दे दिए हैं।

जनता और दुकानदारों के लिए सख्त संदेश

प्रशासनिक अमले के साथ मौके पर मौजूद स्वास्थ्य अमले को निर्देश देते हुए सीएमओ ने नगरवासियों को उनकी जिम्मेदारी याद दिलाई। उन्होंने कहा कि नगर पालिका कोई जादू की छड़ी नहीं है, जनता को अपने घरों का कचरा कचरा-गाड़ी में ही डालना होगा। विशेषकर उन दुकानदारों को रडार पर लिया गया है जो डस्टबिन का उपयोग न कर सड़कों को कचराघर बना रहे हैं। स्वच्छता का यह चक्रव्यूह अब हर वार्ड तक पहुंचेगा। प्रशासन की इस आक्रामक मुद्रा ने उन तत्वों की नींद उड़ा दी है जो अब तक शहर को गंदा करना अपना अधिकार समझते थे।

43 वर्षों की शासकीय सेवा के बाद डॉ. मुकेश तिवारी हुए सेवानिवृत्त

गरिमामय समारोह में हुआ सम्मान

शहडोल।

उच्च शिक्षा क्षेत्र के वरिष्ठ एवं समर्पित प्राध्यापक डॉ. मुकेश तिवारी ने 43 वर्षों की लंबी एवं उल्लेखनीय शासकीय सेवा पूर्ण करने के पश्चात 30 मार्च को सेवानिवृत्ति ग्रहण की। इस अवसर पर कन्या महाविद्यालय में एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षण जगत से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए डॉ. तिवारी के योगदान की सराहना की।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से उच्च शिक्षा क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक रीवा, डॉ. आर.पी. सिंह उपस्थित रहे। उनके साथ सेवानिवृत्त प्राध्यापक के कौर, डॉ. विनोद जायसवाल एवं डॉ. एन.के. श्रीवास्तव भी मंच पर मौजूद रहे। सभी वक्ताओं ने डॉ. तिवारी की कार्यशैली, अनुशासन और विद्यार्थियों के प्रति उनके समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें एक आदर्श शिक्षक बताया।

कन्या महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकगण डॉ. सुनील सक्सेना, डॉ. सी.एम.पी. मिश्रा, डॉ. कुमुद सांडया, डॉ. यामुना धुर्वे एवं डॉ. सुनीता सिंह मरकाम ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. तिवारी ने अपने कार्यकाल में न केवल शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाया, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके मार्गदर्शन में अनेक छात्र-छात्राएं आज विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। समारोह के दौरान डॉ. मुकेश तिवारी को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अपने सेवाकाल के अनुभव साझा करते हुए सहकर्मियों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया तथा शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्टता बनाए रखने का संदेश दिया। इसके पश्चात नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा भी एक अलग सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों के लोग उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में रविकरण त्रिपाठी सहित अन्य सदस्यों ने डॉ. तिवारी के योगदान को याद करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना की। पूरे कार्यक्रम का माहौल भावुकता और सम्मान से भरा रहा। उपस्थित लोगों ने डॉ. तिवारी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके जीवन के नए अध्याय के लिए शुभकामनाएं दीं।

नशे में विवाद बना जानलेवा, मां-बेटे ने युवक को पीट-पीटकर उतारा मौत के घाट

कोतमा पुलिस द्वारा हत्या के आरोपियों को 24 घंटे में किया गया गिरफ्तार

अनूपपुर जिले के कोतमा थाना क्षेत्र के श्रमिक नगर में एक युवक की निर्मम हत्या का मामला सामने आया है। शंकर मंदिर के पास इमली के पेड़ के नीचे मिले शव ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। जांच में खुलासा हुआ कि नशे के दौरान हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जहां एक मां और उसके बेटे ने मिलकर युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/कोतमा।

जिले के कोतमा श्रमिक नगर पकरिहा में हुई इस घटना ने मानवता को झकझोर कर रख दिया है। 34 वर्षीय मनोज साहू, जो नशे की लत के कारण परिवार से अलग रह रहा था, कालरी क्षेत्र के एक जर्जर मकान में जीवन यापन कर रहा था। घटना के दिन वह पास में रहने वाले शिवराम चौधरी के साथ बैठकर गांजा और शराब का सेवन कर रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हुआ, जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गया। विवाद के दौरान शिवराम चौधरी ने पास रखे यूकेलिप्टस के डंडे से मनोज पर हमला कर दिया। शोर सुनकर बाहर आई उसकी मां रैमुन बाई ने भी मनोज को पकड़कर मारपीट शुरू कर दी। दोनों की लगातार पिटाई से मनोज गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा और कुछ ही देर में उसकी सांसें थम गईं। घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया है।

नशे की लत ने छीनी जिंदगी

मृतक मनोज साहू नशे का आदी था, जिसके कारण उसका पारिवारिक जीवन भी प्रभावित हुआ। परिजनों ने उसे घर से अलग कर दिया था, जिसके बाद वह अकेले ही खंडहरनुमा मकान में रह रहा था। आसपास के लोगों के अनुसार, वह अक्सर शराब और गांजा का सेवन करता था और इसी कारण उसका कई लोगों से विवाद भी होता रहता था। घटना के दिन भी नशे की हालत में वह आरोपी शिवराम के साथ बैठा था, जहां मामूली कहासुनी ने गंभीर रूप ले लिया। यह घटना बताती है कि नशे की लत किस तरह इंसान को न सिर्फ समाज से अलग करती है बल्कि उसकी जान के लिए भी खतरा बन जाती है।

विवाद से शुरू होकर हत्या तक पहुंचा मामला

बताया जा रहा है कि मनोज और शिवराम के बीच शुरू हुआ विवाद पहले गाली-गलौज तक सीमित था, लेकिन धीरे-धीरे यह हिंसक हो गया। शिवराम ने गुस्से में आकर पास रखे डंडे से मनोज पर हमला करना शुरू कर दिया। इसी बीच उसकी मां रैमुन बाई भी वहां पहुंच गई और उसने भी मारपीट में साथ दिया। दोनों ने मिलकर मनोज को इतनी बेरहमी से पीटा कि वह जमीन पर गिर पड़ा। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस पूरी घटना में यह साफ हुआ कि एक छोटी सी कहासुनी ने किस तरह जानलेवा रूप ले लिया है।

घटनास्थल पर मिला शव, फैली सनसनी

घटना के बाद मनोज साहू का शव शंकर मंदिर के पास इमली के पेड़ के नीचे पड़ा मिला, जिसे देखकर स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शव पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए, जिससे साफ था कि उसकी बेरहमी से पिटाई की गई थी। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में डर और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया। स्थानीय लोग इस तरह की घटनाओं से खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

मां-बेटे की भूमिका आई सामने

जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि इस हत्या में आरोपी शिवराम चौधरी और उसकी मां रैमुन बाई दोनों की भूमिका थी। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के बयान में सामने आया कि दोनों ने मिलकर मनोज के साथ मारपीट की थी। घटना के बाद दोनों मौके से फरार हो गए थे, लेकिन जांच के दौरान उन्हें पकड़ लिया गया। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त डंडा भी बरामद किया गया। मामले में हत्या की धारा के तहत अपराध दर्ज कर आगे की कानूनी कार्यवाही की जा रही है। उक्त त्वरित कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतमा निरी. रत्नाम्बर शुक्ल के साथ सउनि विनय सिंह, प्र.आर. रामखेलावन यादव. प्रआर दिनेश राठौर, प्र.आर संजीव त्रिपाठी, आर अभय त्रिपाठी एवं डायल 112 डियूटी पर तैनात आर. नत्थूलाल चौधरी की अहम भूमिका रही।

खबर संक्षेप

एक्साइज कटौती या कॉर्पोरेट राहत? जनता को राहत नहीं, उद्योगपतियों को फायदा-वरुण चटर्जी

अनूपपुर। पेट्रोल-डीजल पर केंद्र सरकार द्वारा की गई एक्साइज ड्यूटी में कटौती को लेकर जिला राजनीति में तीखी बहस छिड़ गई है। भगवा पार्टी के जिला महामंत्री वरुण चटर्जी ने इस फैसले पर सीधा हमला बोलते हुए इसे "जनता के नाम पर उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने वाली नीति" करार दिया है। चटर्जी ने आरोप लगाया कि सरकार ने एक्साइज ड्यूटी में कटौती का ढोल तो पीटा, लेकिन इसका वास्तविक लाभ आम जनता तक नहीं पहुंचा। उन्होंने कहा कि अगर यह निर्णय सच में जनहित में होता, तो पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्पष्ट गिरावट दिखाई देती, जिससे आम आदमी को राहत मिलती। उन्होंने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि "जब आम नागरिक महंगाई की दोहरी मार झेल रहा है, तब राहत के नाम पर ऐसे फैसले केवल दिखावा साबित हो रहे हैं। यह सीधे तौर पर जनता के साथ विश्वासघात है। चटर्जी ने यह भी कहा कि इस निर्णय का राजनीतिक असर गहरा होगा, क्योंकि जनता अब केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि जमीन पर दिखने वाले परिणामों से संतुष्ट होती है। यदि राहत का फायदा लोगों तक नहीं पहुंचेगा, तो असंतोष बढ़ना तय है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि एक्साइज ड्यूटी में कटौती के वास्तविक प्रभाव को सार्वजनिक किया जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि इसका लाभ आखिर किसे मिल रहा है। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में ऐसे फैसलों का सीधा फायदा आम उपभोक्ताओं तक पहुंचे। इस बयान के बाद जिले के राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। जानकारों का मानना है कि पेट्रोल-डीजल और महंगाई का मुद्दा आने वाले समय में जनता से जुड़ा बड़ा राजनीतिक विषय बन सकता है, जिस पर सियासत और भी गरमा सकती है।

आनंद त्रिपाठी रामपुर का निधन

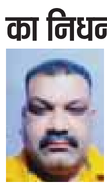

अनूपपुर। प्राप्त जानकारी अनुसार रामपुर निवासी आनंद त्रिपाठी किसान नेता एवं कॉपरेटिव सोसायटी में विभिन्न पदों में रहे हर समय किसानों के लिए संघर्ष करने वाले लंबी बीमारी के कारण 30 मार्च को रामकृष्ण मेमोरियल हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली वह अपने पीछे पत्नी लक्ष्मी त्रिपाठी, भाई दिनकर त्रिपाठी एवं मां और बहनों भतीजे जिसे बेटा के रूप में पाला भरा पूरा परिवार को रोता बिलखता छोड़ कर चले गए। उनके चाहने वालों में मुख्य रूप से सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा, गणेश शर्मा, दिनेश शुक्ला, जनपद सदस्य चंद्रकुमार तिवारी, ओम प्रकाश द्विवेदी पत्रकार, रमेश सिंह पूर्व एसडीएम, सांसद प्रतिनिधि राजकमल मिश्रा, किसान नेता आदित्य त्रिपाठी, सरपंच, उप सरपंच, सदस्य जिला पंचायत श्रीमती शांति मनमोहन चौधरी, इंटक नेता नागेश शर्मा, अखिलेश त्रिपाठी, राजबहोर चंद्रा, सोहागपुर धनपुरी एरिया बीटीसी श्रीप्रकाश पटले, गोविंद सिंघल, दिलीप तिवारी, जितेंद्र सिंह परस्ते, सृष्टि शर्मा, रामपुर बटुरा खुली खदान परियोजना से सबेरिया मैनेजर संदीप शर्मा, आर के चतुर्वेदी, साहित पूरा एसईसीएल सोहागपुर एरिया के अलावा वरिष्ठ पत्रकार सनद शर्मा, घनश्याम शर्मा, राजेश सोनी, नेमसाय, सोसायटी कापरेटिव प्रबंधक लैंप्स बल बहरा गिरवा सुभाष द्विवेदी सहित सैकड़ों के संख्या में दुख व्यक्त किया। हमारे क्षेत्र और गांव के लिए इस कमी को पूरा करना कठिन होगा यह गहरा दुख सहन करने की सकती ईश्वर त्रिपाठी परिवार को दे इस संकट के घड़ी में हम सभी साथ हैं आनंद जी के चले जाने से एसईसीएल सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है अंतिम संस्कार गृह ग्राम रामपुर में सुबह 10 बजे होगा।

श्री कल्याण सेवा आश्रम में उदासीन अखाड़ा के संतों द्वारा भव्य अरदास एवं विशेष पूजन सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मां नर्मदा की पावन तपोभूमि अमरकंटक स्थित श्री कल्याण सेवा आश्रम में आध्यात्मिक आस्था और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला, जब उदासीन अखाड़ा से पधारे पूज्य संतों के सान्निध्य में अरदास (विशेष पूजा) का दिव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर संपूर्ण आश्रम परिसर श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो उठा। आश्रम के प्रबंध न्यासी पूज्य स्वामी हिमाद्री मुनि जी महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि उदासीन

अखाड़ा के महंत के नेतृत्व में भगवान आचार्य श्री चंद्र देव जी महाराज एवं पूज्य गोला साहब जी सहित लगभग 70 संतों का पावन समूह मां नर्मदा की परिक्रमा पर निकला हुआ है। इसी क्रम में उत्तर तट स्थित श्री कल्याण सेवा आश्रम में, तपस्वी बाबा कल्याण दास जी महाराज के पावन आशीर्वाद से संतों द्वारा अरदास एवं विशेष पूजन का आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक आयोजन में आश्रम परिवार की ओर से श्रद्धापूर्वक भेंट समर्पित कर विशेष पूजन का पुण्य लाभ प्राप्त किया गया। उदासीन संप्रदाय में अरदास का विशेष महत्व माना जाता है, जो साधना, समर्पण और ईश्वर के प्रति अखंड निष्ठा का प्रतीक है। कार्यक्रम में आश्रम के प्रमुख संतों स्वामी हर स्वरूप जी महाराज, स्वामी शांतानंद जी महाराज, स्वामी जगदीशानंद जी महाराज, स्वामी धर्रमानंद जी महाराज, स्वामी रामेश्वरा नंदजी महाराज, स्वामी नर्मदानंद जी महाराज, स्वामी सुंदरानंद जी महाराज सहित विनोद कार्की, राजेंद्र बिष्ट, पंडित गन्ना, पंडित मुकेश पाठक, पंडित संदीप जोशी एवं सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे। सभी ने भक्ति भाव से पूजन में सहभागिता निभाते हुए मां नर्मदा के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की। उल्लेखनीय है कि उदासीन संप्रदाय का प्रवर्तन प्राचीन काल में सनकादीक मुनियों से माना जाता है, किंतु मध्यकाल में यह परंपरा क्षीण होने लगी थी। तत्पश्चात श्री गुरु अविनाशी मुनि जी ने इसे पुनर्जीवित किया तथा भगवान आचार्य श्री श्रीचंद्र देव जी महाराज ने इस परंपरा को अखंडता प्रदान कर इसे व्यापक स्वरूप दिया। श्री गुरु अविनाशी मुनि जी उदासीन संप्रदाय के 164वें आचार्य के रूप में विख्यात रहे हैं। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि संत परंपरा की जीवंतता और भारतीय संस्कृति की गहन आध्यात्मिक धारा को भी सशक्त रूप से अभिव्यक्त करता है।

पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान संरक्षक, अध्यक्ष पद पर रहेंगें कलेक्टर हर्षल पंचोली

अनूपपुर में टारगेटबॉल व पिकलबॉल संघ का गठन

खेल प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

अनूपपुर जिले में खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में अहम पहल करते हुए टारगेटबॉल एवं पिकलबॉल जिला संघ का गठन कर दिया गया है। जिला मुख्यालय में अधिकारियों और व्यायाम शिक्षकों की मौजूदगी में यह निर्णय लिया गया है। नई समिति जिले के स्कूलों और विकासखंड स्तर पर खेल गतिविधियों को बढ़ावा देगी, जिससे खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, प्रतियोगिता और पहचान का बेहतर अवसर मिल सकेगा। जिले में खेल संस्कृति को मजबूत करने और युवाओं को नए अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से टारगेटबॉल एवं पिकलबॉल जिला संघ का गठन किया गया है। इस पहल के तहत जिला स्तर से लेकर विकासखंड और विद्यालय स्तर तक खेल गतिविधियों को संगठित रूप से संचालित किया जाएगा। अधिकारियों और खेल शिक्षकों की उपस्थिति में बनी इस समिति को खेलों के प्रचार-प्रसार, खिलाड़ियों के पंजीयन, प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। समिति के गठन के साथ ही सदस्यता शुल्क, नियमित बैठकें और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का खाका भी तय किया गया है। खिलाड़ियों को बेहतर मंच देने के लिए हर महीने बैठकें आयोजित होंगी और खेल गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी प्रस्तावित है, जिससे पदाधिकारियों और सदस्यों को खेल संचालन की विधिवत जानकारी मिल सके।इस पहल से न केवल स्कूल गेम्स में भागीदारी बढ़ेगी, बल्कि जिले के खिलाड़ियों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी मिलेगा।

किसे मिली कौन सी जिम्मेदारी

टारगेटबॉल एवं पिकलबॉल संघ के गठन के साथ ही पदाधिकारियों की जिम्मेदारियां भी तय कर दी गई हैं। जिला टारगेटबॉल संघ अनूपपुर में संरक्षक पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान को बनाया गया है, जबकि अध्यक्ष पद पर कलेक्टर हर्षल पंचोली रहेंगे। उपाध्यक्ष के रूप में अमरजीत सिंह एवं मनोज शुक्ला 'डल्लू' को जिम्मेदारी दी गई है। सचिव किशोर साकेत बनाए गए हैं, जबकि सहसचिव के रूप में रोहित चौधरी, शेख कौनेन कुरैशी, अरुण सिंह, सुश्री संगीता दीन, लल्लू लाल मिश्रा, श्रीमती हेमलता और प्रेम पाण्डेय शामिल हैं। कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी विवेक यादव को सौंपी गई है। वहीं जिला पिकलबॉल संघ अनूपपुर में संरक्षक पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान और अध्यक्ष कलेक्टर हर्षल पंचोली को बनाया गया है। उपाध्यक्ष पद पर पवन गलवानी 'चीनी' एवं वामन राव बरगट को नियुक्त किया गया है। सचिव के रूप में शेख कौनेन कुरैशी जिम्मेदारी निभाएंगे, जबकि सहसचिव में उपेंद्र मिश्रा, महेंद्र सिंह, किशोर साकेत, श्रीमती बसंता मरावी, संतोष सोनी और मिथलेश मिश्रा को शामिल किया गया है। दोनों संघों में विभिन्न सदस्यों को भी जोड़ा गया है, जो जिले में खेल गतिविधियों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

जिला स्तर से लेकर स्कूल तक बनेगा खेल ढांचा

नई समिति जिले के सभी विकासखंडों और विद्यालयों में खिलाड़ियों का पंजीयन कर खेल गतिविधियों को व्यवस्थित करेगी। इससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के खिलाड़ियों को समान अवसर मिलेगा। खेलों के आयोजन की जिम्मेदारी विकासखंड स्तर की समितियों को दी गई है, जिससे स्थानीय स्तर पर प्रतिभाएं उभर सकेंगी।

सदस्यता नियम और अनुशासन पर जोर

समिति में शामिल अधिकारियों से 200 और सदस्यों से 100 प्रतिमाह शुल्क निर्धारित किया गया है। यह राशि निर्धारित खाते में हर महीने 1 से 10 तारीख के बीच जमा करना अनिवार्य होगा। लगातार दो महीने शुल्क जमा न करने पर सदस्यता स्वतः समाप्त हो जाएगी, जिससे संगठन में अनुशासन बना रहेगा।

प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं की तैयारी

खेलों के सुचारू संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके बाद प्रशिक्षित पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में खिलाड़ियों को तैयार करेंगे। इसका सीधा लाभ स्कूल गेम्स और राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में देखने को मिलेगा।

नियमित बैठक और पारदर्शी व्यवस्था

दोनों खेल संघों की संयुक्त बैठक हर महीने के अंतिम सप्ताह में आयोजित की जाएगी। प्रत्येक कार्यक्रम का रजिस्टर और लेखा-जोखा रखना अनिवार्य होगा, जिसकी समीक्षा जिला स्तर पर की जाएगी। इसके अलावा कलेक्टर की उपस्थिति में विशेष बैठक आयोजित कर खेल गतिविधियों को और मजबूती देने की योजना है।इस नई पहल से अनूपपुर में खेलों को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। टारगेटबॉल और पिकलबॉल जैसे उभरते खेलों के माध्यम से जिले के खिलाड़ी अब बड़े मंच तक पहुंचने का सपना साकार कर सकेंगे।

पानी सप्लाई में बड़ी लापरवाही, फिल्टर प्लांट के पानी मे गंदगी ही गंदगी, लोगों ने जताई चिंता

शुद्ध पेयजल व्यवस्था सुधारने की मांग

हरिभूमि न्यूज बिजुरी।

नगरपालिका बिजुरी एवं ग्राम पंचायत बहेराबांध और बेनीबहरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति के लिए संचालित बहेराबांध फिल्टर प्लांट की स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है। हाल ही में कुछ युवाओं द्वारा फिल्टर प्लांट का निरीक्षण किए जाने पर पानी में अत्यधिक गंदगी, काई और जमा हुए अवशेष देखने को मिले, जिससे पेयजल की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि फिल्टर प्लांट के कई हिस्सों में पानी काफी गंदा दिखाई दे रहा था और टंकियों में काई की मोटी परत जमी हुई थी। पानी में मौजूद गंदगी और काई को देखकर युवाओं ने आशंका जताई कि यदि इसी तरह का पानी नगर के लोगों तक पहुंच रहा है तो इससे स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। निरीक्षण में युवा समाजसेवी एवं पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष के पुत्र बृजेश बंसल, मुकेश यादव, ओमप्रकाश अहिरवार, मो. आकिब, अबुल अली, वीरेंद्र महरा सहित अन्य युवा साथी मौजूद रहे। सभी ने फिल्टर प्लांट की स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नगर के हजारों लोग इसी पानी पर निर्भर हैं, ऐसे में जल की शुद्धता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। युवाओं ने बताया कि फिल्टर प्लांट में पानी की साफ-सफाई और नियमित रखरखाव में लापरवाही दिखाई दे रही है। कई जगहों पर काई जमी हुई है और पानी का रंग भी साफ नहीं दिख रहा, जिससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्ट्रेशन व्यवस्था ठीक तरीके से काम नहीं कर रही है। इस संबंध में युवाओं ने कहा कि जल्द ही नगरपालिका प्रशासन और जिला प्रशासन से मिलकर इस समस्या की जानकारी दी जाएगी तथा फिल्टर प्लांट की नियमित सफाई, रखरखाव और शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की जाएगी। लोगों का कहना है कि गर्मी के मौसम में पानी की मांग बढ़ जाती है और यदि इस समय दूषित पानी की आपूर्ति होती है तो इससे बीमारियों का खतरा और बढ़ सकता है।

पवित्र नगरी अमरकंटक में गरज-चमक के साथ वर्षा, मौसम हुआ सुहाना

बदला मौसम, बरसी राहत की फुहारें

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल एवं धार्मिक-आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में चैत्र शुक्ल पक्ष की मदन द्वादशी (प्रदोष) के अवसर पर मौसम ने अचानक करवट ली। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार दोपहर बाद गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम वर्षा हुई, जिससे बढ़ते तापमान पर विराम लग गया। दोपहर तक जहां गर्मी अपना असर दिखाने लगी थी, वहीं अचानक आसमान में काले घने बादलों ने डेरा डाल लिया। तेज हवाओं के साथ उमड़-घुमड़कर बादल गरजते रहे और बीच-बीच में बिजली चमकती रही। लगभग आधे से एक घंटे तक कभी रिमझिम तो कभी मध्यम बारिश होती रही, जिससे पूरे क्षेत्र का मौसम सुहाना और खुशनुमा हो गया। इस अप्रत्याशित मौसम परिवर्तन का आनंद लेने में देशभर से आए पर्यटक और श्रद्धालु पीछे नहीं रहे। महाराष्ट्र के नासिक और मालेगांव से आए नर्मदा परिक्रमा वासियों सहित उत्तर प्रदेश के कानपुर, लखनऊ, रीवा, सिंगरौली और पुणे से आए तीर्थयात्रियों ने बारिश का भरपूर लुत्फ उठाया। सभी ने अमरकंटक के मनोहारी और शीतल मौसम की जमकर सराहना की। तमिलनाडु के चेन्नई से आए पर्यटकों ने बताया कि बड़े शहरों में बारिश के बाद जहां उमस और चिपचिपी गर्मी बढ़ जाती है, वहीं अमरकंटक में वर्षा के बाद वातावरण और अधिक शीतल एवं आनंददायक हो जाता है। लगभग दोपहर 3:30 बजे से 4:30 बजे तथा 5 बजे के बीच हुई इस वर्षा के बाद मौसम पूरी तरह बदल गया और वातावरण में ताजगी घुल गई। श्रद्धालुओं का मानना है कि यह मां नर्मदा की कृपा ही है, जो अपने भक्तों को राहत और सुखद अनुभूति प्रदान करती है ।

श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाई गई भगवान महावीर स्वामी की जयंती

हरिभूमि न्यूजअमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित दिगंबर जैन सर्वोदय तीर्थ क्षेत्र में आज परम पूज्य भगवान महावीर स्वामी की जयंती अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक गरिमा के साथ संपन्न हुई। मंदिर परिसर प्रातःकाल से ही भक्तिमय वातावरण, मंत्रोच्चार और जयघोष से गुंजायमान रहा। इस अवसर पर भगवान महावीर स्वामी का विशेष अभिषेक, पूजन, अर्चन एवं आरती विधि-विधानपूर्वक संपन्न हुई। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से प्रभु के चरणों में नमन कर आत्मशुद्धि एवं कल्याण की कामना की। संध्याकाल में भक्तांबर विधान एवं भव्य महा आरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए। जयंती के उपलक्ष्य में मंदिर परिसर से एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो ध्वज, गाजे-बाजे एवं धार्मिक प्रतीकों के साथ नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। शोभायात्रा के दौरान जैन समाज के लोगों ने धर्म, अहिंसा और सदाचार के जयघोष कर वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण कर दिया। कार्यक्रम के समापन पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के बीच खीर प्रसाद का वितरण किया गया, जिससे सेवा, समरसता और सद्भावना का वातावरण और भी प्रगाढ़ हो उठा। इस पावन अवसर पर

भगवान महावीर स्वामी के जीवन संदेशों का भी स्मरण किया गया। उनके उपदेश आज भी मानव जीवन के लिए मार्गदर्शक हैं "अहिंसा परमो धर्मः" के माध्यम से उन्होंने मन, वचन और कर्म से किसी भी जीव को पीड़ा न पहुँचाने की प्रेरणा दी। साथ ही सत्य और अपरिग्रह का पालन करते हुए सीमित संसाधनों में संतोषपूर्ण जीवन जीने का संदेश दिया। इसके अतिरिक्त जीव दया और करुणा का भाव रखते हुए प्रत्येक प्राणी में आत्मा का वास मानकर सभी के प्रति समान दृष्टि रखने की सीख दी। महावीर स्वामी के ये सिद्धांत आज के युग में भी सामाजिक सद्भाव, शांति और नैतिक जीवन के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। उनकी जयंती का यह पर्व समाज में धर्म, संयम और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने का संदेश देता है। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख जनों में वीरेंद्र जैन, ब्रह्मचारी दीपक जैन, सुनील जैन, बाबा देवेंद्र जैन, चिन्नू जैन, राकेश जैन, अनुज जैन, आदित्य जैन, पंकज जैन, दीपचंद जैन, सोनू जैन, मोनू जैन, गौरव जैन, सुशील जैन, निखिल जैन, वरुण जैन, अतिशय जैन, निलेश जैन, महेश जैन, अजय जैन, आरव जैन (करंजिया), दया जैन, संभव जैन, प्रकाश कावड़े (प्रबंधक, जैन मंदिर), समीर मानिकपुरी, नंदू परस्ते, हिमांशु सोनवानी, सागर सोनवानी, राजेंद्र सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।